*राजधानी जयपुर में बीते दो दिन से थम-थमकर हो रही बारिश और ओलावृष्टि ने जहां सर्दी बढ़ा दी हैं, वहीं किसानों को भी बर्बाद करने का काम किया है। शुक्रवार देर रात हुई तेज बारिश से कूकरखेड़ा मंड़ी में पानी भर गया जिससे खुले में रखी मूंगफली की बोरियां भीग गईं। किसान यहां मूंगफली बेचने के लिए लाये थे, लेकिन खरीद नहीं होने के कारण इन्हें खुले आसमान के नीचे रखा गया था। तस्वीर में साफ दिख रहा है कि मंडी परिसर में खुले में रखी मूंगफली की हजारों बोरियां बारिश के पानी में पड़ी है और इनमें रखी मूंगफलियां खराब हो रही हैं।*

# मु.मंत्री चन्नी के चंद महीनों के कार्यकाल में तीसरी बार डी.जी.पी. बदले गये

## पंजाब सरकार ने चुनाव तारीखों की घोषणा होते ही आनन-फानन में डी.जी.पी. बदलने का फैसला किया

चंडीगढ़, 8 जनवरी। पंजाब विधानसभा चुनाव की तारीख की घोषणा होते ही मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डी.जी.पी.) सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय को पद से हटा दिया है। पंजाब सरकार ने डी.जी.पी. के पद पर आइ.पी.एस. अधिकारी वी.के. भवरा को राज्य का नया पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) नियुक्त किया है। भवरा चन्नी सरकार के कार्यकाल के चंद महीनों में कार्यभार संभालने वाले तीसरे डी.जी.पी. हैं।

वी.के.भवरा ने कार्यवाहक डी.जी.पी. सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय का स्थान लिया है। माना जा रहा है कि 5 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान सुरक्षा में चूक मामले के बाद चट्टोपाध्याय पर कार्रवाई की गई है। चन्नी सरकार की ओर से जारी सरकारी आदेश में कहा गया है कि वीरेश कुमार भवरा का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तारीख से कम से कम दो साल के लिए होगा। इससे पहले संघ लोक सेवा आयोग ने राज्य में शीर्ष पुलिस पद के लिए पूर्व डी.जी.पी. दिनकर गुप्ता, भवरा और प्रबोध कुमार समेत तीन नामों का पैनल राज्य सरकार को भेजा था।

■ **उल्लेखनीय है कि, यू.पी.एस.सी. की ओर से 4 जनवरी को पंजाब में स्थायी डी.जी.पी. की नियुक्ति के लिए तीन अफसरों का पैनल भेज दिया गया था। सूत्रों के अनुसार गुरुवार रात मुख्यमंत्री ने पैनल पर विचार किया।**

कार्यभार संभालने के बाद नवनियुक्त डी.जी.पी. ने कहा कि पंजाब विधानसभा चुनाव-2022 करीब हैं और पंजाब पुलिस चुनाव का सुचारु संचालन सुनिश्चित करेगी। चुनाव को ध्यान में रखते हुए पुलिस यह भी सुनिश्चित करेगी कि चुनाव प्रलोभन मुक्त तरीके से हो। उनका ध्यान राज्य से नशीली दवाओं के खतरे और आतंकवाद को खत्म करने पर होगा। पीपल सेंट्रिक पुलिसिंग और लोक सेवा वितरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

उल्लेखनीय है कि यू.पी.एस.सी. की ओर से 4 जनवरी को पंजाब में स्थायी डी.जी.पी. की नियुक्ति के लिए तीन अफसरों का पैनल भेज दिया गया था। सूत्रों के अनुसार गुरुवार रात मुख्यमंत्री ने पैनल पर विचार किया। रात एक बजे बुलाई बैठक में मुख्यमंत्री चन्नी के अलावा उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी आदि मौजूद थे।

## पार्षद के घर में सड़क

डीडवाना, 8 जनवरी (निसं)। नगर पालिका के कारनामों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। वह पहले से बनी हुई सड़कों का दोबारा निर्माण नहीं करती, बल्कि अब पार्षदों के घरों में भी सड़कों का निर्माण करने लगी है। नगर पालिका डीडवाना ने कुछ समय पूर्व ऐसा ही कारनामा अंजाम दिया है। जानकारी के अनुसार नगर पालिका द्वारा पालिका बोर्ड के सत्ता पक्ष के एक पार्षद के घर के चौक में सड़क का निर्माण कर दिया गया। यही

■ **डीडवाना नगर पालिका ने सत्ता पक्ष के पार्षद के घर के चौक में सड़क बना दी और इसका भुगतान नगर पालिका कोष से किया गया है।**

नहीं इस सड़क का भुगतान भी नगर पालिका कोष से किया गया है। इस पार्षद का मकान फतेहपुरी गेट क्षेत्र में है और वह वार्ड संख्या 35 का निवासी है। हैरत की बात है कि इस मामले की जानकारी सत्ता पक्ष व विपक्ष को भी है, लेकिन कोई भी इस मामले को नहीं उठा रहा है। इस संबंध में भाजपा नेता एडवोकेट आसिफ खोखर ने नगर पालिका पर भ्रष्टाचार व अनियमितता को बढ़ावा देने और पार्षदों के निजी हितों के लिए सरकारी धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

# प्रदेश में शनिवार को एक ही दिन में चार हजार से ज्यादा नए करोना संक्रमित मिले

## जयपुर के अलावा अन्य जिलों में भी नए संक्रमितों की संख्या बढ़ने लगी है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 8 जनवरी । प्रदेश में शनिवार को एक ही दिन में चार हजार से ज्यादा नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 1866 नए रोगी पाए गए हैं। इस बीच प्रदेश में ओमक्रॉन के 82 नए मामले भी सामने आए हैं। राज्य में संक्रमण दर बढ़कर 6.45 फीसदी पर हो गई है। इधर करोना से अलवर और जोधपुर में दो लोगों की मौत होने के साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 14 हजार से अधिक हो गए हैं।

■ **राज्य के 8 जिलों में सौ से अधिक नए संक्रमित पाए गए हैं।**

■ **प्रदेश में शनिवार को ओमक्रॉन के 82 और मामले सामने आए हैं।**

■ **राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से दो लोगों की मौत हो गई है, वहीं एक्टिव केस बढ़कर 14 हजार के पार हो गए हैं।**

प्रदेश के 31 जिलों में शनिवार को करोना संक्रमण के 4108 नए मामले मिले हैं। इससे पहले शुक्रवार को 3300 रोगी पाए गए थे। राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 1866 नए मरीज मिले हैं। वहीं जयपुर के अलावा अब अन्य जिलों में भी नए संक्रमितों की संख्या तेज गति से बढ़ने लगी है। इनमें आठ जिलों में सौ से अधिक नए संक्रमित पाए गए हैं। इसके चलते जोधपुर में 515, उदयपुर में 225, अजमेर में 191, अलवर में 167, बीकानेर में 149, भरतपुर में 144, कोटा में 107, चित्तौड़गढ़ में 83, सीकर में 79, बाड़मेर में 78, सवाईमाधोपुर में 67, भीलवाड़ा में 55, सिरोही में 54, पाली में 51, राजसमंद में 43, झालावाड़ में 39, बांसवाड़ा में 34, टोंक में 28, प्रतापगढ़ में 27, धौलपुर में 23, जैसलमेर में 20, हनुमानगढ़ में 15, डूंगरपुर में 14, बूंदी में 13, नागौर में 9, दौसा में 6, चूरू व बारां में 2-2 तथा गंगानगर व झुंझुनूं में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं दो जिलों करौली और जालोर संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है।

उधर प्रदेश में ओमक्रॉन के मामले बढ़ते ही जा रहे है। शनिवार को आई जीनोम सिक्वेंसिंग रिपोर्ट में 82 नए मामलों की पुष्टि हुई है।

इनमें सर्वाधिक 69 मरीज जयपुर जिले के हैं। इसके अलावा अलवर में 3, सीकर में 2, धौलपुर, करौली, जोधपुर और चित्तौड़गढ़ में 1-1 ओमक्रॉन संक्रमित मिला है। वहीं चार रोगी अन्य राज्यों के मिले है। इन सभी को ओमक्रॉन डेडिकेट वार्ड में भर्ती कराया गया है।

राज्य में अब तक इस वैरिएंट के कुल 373 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 275 संक्रमित जयपुर के है।

राज्य में लगातार नए मामलों में हो रही वृद्धि के चलते संक्रमण दर बढ़कर 6.45 फीसदी हो गई है। वहीं नए संक्रमितों के मुकाबले काफी कम रिकवरी होने से स्वस्थ होने की दर घटकर 97.61 प्रतिशत पर आ गई है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 227 मरीज ही ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 14 हजार 166 हो गए हैं। इनमें सर्वाधिक 7545 मामले जयपुर में है। इसके अलावा जोधपुर मे 1758, अलवर में 675, अजमेर में 559, उदयपुर में 548, बीकानेर में 475, कोटा में 399, भरतपुर में 342, भीलवाड़ा में 258, सवाईमाधोपुर में 145, सीकर 141, बाड़मेर में 129, प्रतापगढ़ में 117 और सिरोही में 109 तथा अन्य कई जिलों में इससे कम सक्रिय मरीज हैं।

प्रदेश में शनिवार को करोना से अलवर और जोधपुर में 1-1 संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही अब तक इस बीमारी से 8971 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

| | उत्तर प्रदेश | उत्तर प्रदेश | उत्तर प्रदेश | उत्तर प्रदेश | उत्तर प्रदेश | उत्तर प्रदेश | उत्तर प्रदेश |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | प्रथम चरण | द्वितीय चरण | तृतीय चरण | चौथा चरण | पांचवा चरण | छठा चरण | 7 वां चरण |
| | | पंजाब | | | मणिपुर | मणिपुर | |
| | | उत्तराखण्ड | | | प्रथम चरण | द्वितीय चरण | |
| | | गोवा | | | | | |
| अधिसूचना की तिथि | 14.1.2022 शुक्रवार | 21.1.2022 शुक्रवार | 25.1.2022 मंगलवार | 27.1.2022 मंगलवार | 1.2.2022 मंगलवार | 4.2.2022 शुक्रवार | 10.2.2022 गुरुवार |
| नामांकन की अंतिम तिथि | 21.1.2022 शुक्रवार | 28.1.2022 शुक्रवार | 01.2.2022 मंगलवार | 03.2.2022 गुरुवार | 08.2.2022 गुरुवार | 11.2.2022 शुक्रवार | 17.2.2022 गुरुवार |
| नामांकनों की सूक्ष्म जाँच | 24.1.2022 सोमवार | 29.1.2022 शनिवार | 2.2.2022 बुधवार | 4.2.2022 शुक्रवार | 9.2.2022 बुधवार | 14.2.2022 सोमवार | 18.2.2022 शुक्रवार |
| नाम वापसी की अंतिम तिथि | 27.1.2022 गुरुवार | 31.1.2022 सोमवार | 4.2.2022 शुक्रवार | 7.2.2022 सोमवार | 11.2.2022 शुक्रवार | 16.2.2022 बुधवार | 21.2.2022 सोमवार |
| मतदान तिथि | 10.2.2022 | 14.2.2022 | 20.2.2022 | 23.2.2022 | 27.2.2022 | 03.3.2022 | 07.3.2022 |

## स्टेशन डवलपमैंट ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

का रीडेवलपमेंट हो चुका है उनके लिए यात्रियों से 10 रुपए से 50 रुपए तक का चार्ज वसूला जाएगा। यात्रियों से ऐसे स्टेशनों से ट्रेन में चढ़ने या उतरने दोनों पर (एस.डी.एफ.) लिया जाएगा और इसको यात्रा टिकट में जोड़ा जाएगा, जिससे टिकट महंगे होंगे। यह कदम रेलवे को और स्टेशनों के रीडेवलपमेंट के लिए पैसा जुटाने में मदद करने के लिए है।

अनरिजर्व्ड पैसेंजरों के लिए यह फीस 10 रुपए होगी। इसी तरह रिजर्व्ड नॉन-एसी यात्रियों के लिए 25 रुपए, रिजर्व्ड एसी पैसेंजर्स के लिए 50 रुपए होगी। इतना ही नहीं प्लेटफॉर्म टिकट खरीदने वालों को भी इसके लिए 10 रुपए चुकाने होंगे। उतरने वाले यात्रियों के लिए यह राशि उक्त दरों की 50 होगी। अगर कोई यात्री ऐसे किसी रेलवे स्टेशन से चढ़ता है और ऐसे ही स्टेशन पर ही उतरता है तो उस स्थिति में एस.डी.एफ. एप्लिकेबल रेट का 1.5 गुना होगा। रेलवे कई स्टेशनों को रिडेवलप (पुनर्विकसित) करने की योजना पर काम कर रहा है। इन स्टेशनों पर उपलब्ध सुविधाओं के लिए यात्रियों को हवाई अड्डों पर लगने वाले यूजर डेवलपमेंट फीस (एस.डी.एफ.) की तरह अलग से शुल्क देना होगा।

## बयाना में...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

पर उनकी विशेष पकड़ थी। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा की मैरिट सूची में भी स्थान पाया था। वह कई बार स्कूली संसद के प्रसिडेंट भी चुने गए तथा इतने बड़े पद पर होते हुए भी बचपन की भांति अब भी वह व्यवहार कुशल है। गत दिनों लम्बे अंतराल बाद जब वह अपने पिता के निधन पर बयाना आए थे तो उन्होंने बचपन के कई लम्हों को ताजा किया था। उनकी पत्नी अंजली भावरा भी एक आईएएस अफसर है। वहीं छोटा भाई योगेश भावरा स्वतंत्र पत्रकार है।

# दागी नेताओं को टिकट देने का कारण सार्वजनिक करना होगा

## चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को ऐसा करने के लिए निर्देश दिया

नई दिल्ली, 8 जनवरी (वार्ता)। आपराधिक मामले में फंसे लोगों को टिकट देने वाले दलों को अब 48 घंटे के अंदर सार्वजनिक रूप से बताना होगा कि उन्होंने ऐसे व्यक्ति को किस कारण से टिकट दिया और क्या उन्हें ऐसा कोई प्रत्याशी नहीं मिला जिस पर अपराध का कोई आरोप न हो।

■ **आपराधिक प्रवृति वाले उम्मीदवारों अथवा दागी नेताओं को टिकट देने की सूचना भारतीय भाषा के स्थानीय अखबार और एक राष्ट्रीय अखबार में प्रकाशित कराने के साथ-साथ पार्टी के ट्विटर और फेसबुक पेज पर भी डालनी होगी।**

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश और पंजाब सहित पांच राज्यों में होने जा रहे चुनाव के कार्यक्रम और व्यवस्थाओं की घोषणा करते हुए कहा कि पार्टियों को ऐसे प्रत्याशी के गुण और उपलब्धियों की पार्टी के पोर्टल पर जानकारी देनी होगी। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले में 'जीतने की संभावना' उस प्रत्याशी के चयन का आधार नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायलय के 13 फरवरी 2020 के आदेश के मद्देनजर राजनीतिक दलों को केंद्र और राज्य स्तरीय चुनावों में ऐसे प्रत्याशियों पर मामलों की सूचना, अभियोग पत्र की स्थिति आदि के बारे में पोर्टल पर डालनी होगी। इसकी सूचना भारतीय भाषा के स्थानीय अखबार और एक राष्ट्रीय अखबार में प्रकाशित कराने के साथ-साथ पार्टी के ट्वीटर और फेसबुक पेज पर भी डालना होगा। दलों को ऐसे प्रत्याशी का चयन करने के 72 घंटे के अंदर इन निर्देशों के अनुपालन की जानकारी देनी होगी। पार्टियों को अपने पोर्टल के होम पेज पर आपराधिक पृष्ठभूमि के प्रत्याशी शीर्षक एक कालम रखना होगा।

## दिल्ली और महाराष्ट्र में करोना का कहर

नई दिल्ली, 8 जनवरी। ओमक्रॉन वैरिएंट के खतरे के बीच भारत में करोना के नए मामलों में तेजी से उछाल देखा जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के कई अन्य राज्यों में करोना के मामलों में लगातार बढ़ोतरी जारी है।

दिल्ली में शनिवार को पिछले 24 घंटों के अंदर 20 हजार से अधिक नए मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में करोना वायरस के 41 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। देशभर में करोना का नया वैरिएंट ओमक्रॉन भी लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ओमक्रॉन के कुल 3,071 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 1,203 मरीज ठीक हो चुके हैं। इस नए वैरिएंट के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र से आ रहे हैं। शनिवार शाम दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को 20,181 करोना के नए मामले सामने आए।

# 'चीन ने ''सेफ व सुरक्षित'' विन्टर...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

बीजिंग के विन्टर ओलम्पिक्स को लेकर अमेरिका और उसके कुछ सहयोगियों के ''राजनैतिक रूख'' को नकारने में चीन तत्पर रहा है और बदला लेने की धमकी दे चुका है। वह बदला किस प्रकार से लेगा, यह अब भी स्पष्ट नहीं है, लेकिन अमेरिका की भांति ही उसने अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं।

बीजिंग 2022 खेलों की प्रवक्ता यान जिआरोंग ने अमेरिका द्वारा की गई सार्वजनिक आलोचना से आहत होते हुए कहा कि ओलंपिक और खेलों का इस्तेमाल राजनीतिक औजार के रूप में नहीं होना चाहिए और खेलों का राजनीतिकरण सिर्फ विभाजन ही पैदा कर सकता है।

लेकिन डब्ल्यू.एच.ओ. के आपातकालीन विभाग के निदेशक माइकल रेयान ने अब कहा है कि संयुक्त राष्ट्र संघ की स्वास्थ्य एजेंसी ने खेलों की सुरक्षित मेजबानी को लेकर एक तकनीकी मशविरा देने के लिए इन्टरनैशनल ओलम्पिक कमेटी (आई.ओ.सी.) के साथ मिलकर काम किया है।

उन्होंने कहा कि ''चीन की सरकार ने इसके संबंध में कठोर उपाय किए हैं और उसने विभिन्न प्लेबुक्स की एक शृंखला जारी की है। हम आई.ओ.सी. के साथ इन प्लेबुक्स की समीक्षा कर रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि ''उपलब्ध जानकारी के आधार पर मैं इसके प्रति आश्वस्त हूँ कि खेलों के लिए किए गए उपाय काफी कठोर व मजबूत हैं और इस संदर्भ में हमें बीमारी के संक्रमण का कोई बड़ा जोखिम नज़र नहीं आता।''

नैशनल ओलम्पिक कमेटीज़, बीजिंग 2022 के आयोजकों, इन्टरनैशनल फैडरेशन्स और आई.ओ.सी. के बीच बंद कमरे में हुई एक मीटिंग में इस विचार को खारिज कर दिया गया कि ''4 से 20 फरवरी तक आयोजित हो रहे इन खेलों को वैश्विक महामारी के मद्देनज़र स्थगित कर दिया जाए।''

चीन में वर्ष 2019 के अंत में इस वायरस का उद्भव हुआ था, लेकिन उसने कोविड-19 को लेकर ''ज़ीरो-टॉलरैन्स'' की नीति अपनाई है और वह विन्टर ओलम्पिक्स और इसके बाद होने वाले पैरालम्पिक्स पर इस वैश्विक महामारी का कम से कम प्रभाव पड़ना सुनिश्चित कर रहा है।

इस बीच चीन के ''ग्लोबल टाइम्स'' के बीजिंग 2022 खेलों की प्रवक्ता के हवाले से कहा है कि कोविड-19 महामारी की रोकथाम व नियंत्रण तैयारियों, सर्विस एश्योरैंस, सिस्टम, इन्फ्रास्ट्रक्चर और खेल स्थलों के निर्माण सहित सभी पहलुओं को लेकर चीन पूर्ण चौकस रहा है।

खेलों की प्रवक्ता ने कहा कि विश्व की वर्तमान स्थिति को देखते हुए इस प्रकार के अन्तर्राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी करना अपने आप में चुनौतीपूर्ण है और बीजिंग ने इन खेलों की तैयारी के दौरान वायरस के म्यूटेशन और वैश्विक आलोचनाओं के बावजूद अपना आत्मविश्वास कामय रखा है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिन्पिंग ने अपने नववर्ष संबोधन में कहा भी है कि ''विश्व की नज़रे अब चीन पर टिक रही है और चीन तैयार है।''

ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक्स में हर बार अच्छे परिणाम दे चुकी चीन की टीम को शीतकालीन खेलों के इतिहास में अब भी किसी कामयाबी की तलाश है। पिछले विन्टर गेम्स में चीन के एथलीट्स ने कुल 13 स्वर्ण पदक जीते थे और इनमें से अधिकांश पदक शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग में मिले थे। अपने देश में होने जा रहे आगामी विन्टर ओलम्पिक्स को टीम चाइना के लिए कामयाबी के एक सर्वश्रेष्ठ मौके के तौर पर देखा जा रहा है।

## कोलकाता...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

लोग संक्रमित मिले।

कोलकाता की बात करें तो बीते एक सप्ताह में संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ी है। तीन जनवरी में शहर में 2801 नए केस मिले थे और चार लोगों की मौत हुई थी।

इसके अगले तीन दिनों में यह संख्या दोगुनी होकर 6569 तक पहुंच गई। बुधवार को कोलकाता में 6170 नए केस मिले थे और पांच लोगों की करोना से मौत हुई।

चिकित्सकों व विशेषज्ञों का कहना है कि कोलकाता में ज्यादा मरीज मिलने की वजह बेकाबू भीड़ मुख्य है। महानगर में भीड़ को नियंत्रित करने के उपाय बेअसर साबित हो रहे हैं। हाल ही में हुए कोलकाता नगर निगम के चुनाव, क्रिसमस व नए साल के जश्न के कार्यक्रमों ने भी संक्रमण दर बढ़ाई है।

कोलकाता के अलावा पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले में भी बड़ी संख्या में करोना मरीज मिल रहे हैं। यहां बीते 24 घंटे में 3118 करोना संक्रमित मिले और 18 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ राज्य में मरने वालों की संख्या बढ़कर 19,864 तक पहुंच गई।

# दस मार्च को 690 विधानसभा सीटों के नतीजे...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव भाजपा सरकार के लिये एक शक्तिशाली चुनौती के रूप में सामने आ चुके हैं। भाजपा सत्ता में बने रहने के लिये कोई भी कसर बाकी नहीं छोड़ रही हैं तथा सपा तथा अन्य विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिये, भले-बुरे सभी तरीकों को काम में ले रही है। भाजपा के पास जबरदस्त संसाधन हैं तथा पिछले दो महीने से सभी अग्रणी अखबारों एवं टी.वी. समाचार चैनलों में बड़े पैमाने पर विज्ञापन दे रही हैं। संसाधनों के मामले में, अन्य पार्टियाँ भाजपा की तुलना में कहीं नहीं ठहरतीं।

पंजाब में, कांग्रेस बँटे हुये विपक्ष के चलते, सत्ता में बने रहने के लिये सत्ता-विरोधी मानसिकता को परास्त करने के लिये जी-तोड़ कोशिश कर रही है। पंजाब में विपक्षी दल इस प्रकार हैं- शिरोमणि अकाली दल (एस.ए.डी.) आम आदमी पार्टी, शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) तथा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिन्दर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस। ज्ञातव्य है कि अमरिन्दर सिंह की पार्टी भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उल्लेखनीय है कि शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) मुद्दों तथा नेतृत्व संबंधी मदभेदों के कारण मुख्य दल से अलग हो गया था।

उत्तराखंड में कांग्रेस राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतर रही हैं। यहाँ भाजपा की स्थिति कमजोर हैं। दरअसल, भाजपा सत्ता विरोधी मानसिकता से तो पीड़ित है ही, पार्टी हाई कमान राज्य में तीन मुख्यमंत्री बदल चुकी हैं।

गोवा, जहाँ तृणमूल कांग्रेस और आप बड़े जोर-शोर से चुनाव मैदान में उतर रही हैं, में मुख्य चुनावी लड़ाई सत्तारूढ़ भाजपा तथा कांग्रेस के बीच है। मणिपुर में भाजपा का मुकाबला कांग्रेस और टी.एम.सी. से है।

मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चन्द्रा ने कहा कि जहाँ उत्तर प्रदेश में चुनाव 10 फरवरी से लेकर 7 मार्च तक सात चरणों में होंगे, वहीं उत्तराखंड और गोवा के चुनाव एक ही चरण में, 14 फरवरी को होंगे। उधर, मणिपुर में दो चरणों में होने वाले चुनाव 27 फरवरी एवं 3 मार्च को होंगे। मतगणना 10 मार्च हो होगी।

■ **यू.पी. में कठिन चुनावी संघर्ष के कारण योगी व मोदी के बीच तनाव व वर्चस्व की लड़ाई ''बैक ग्राउण्ड'' में चली गयी है।**

इन पाँच राज्यों के मतदाता 690 विधानसभा क्षेत्रों में वोट डालेंगे। इनमें से 403 विधानसभा सीट उत्तर प्रदेश में, 117 सीट पंजाब में, 70 सीटी उत्तराखंड में, 60 सीट मणिपुर में तथा 40 सीट गोवा में है।

सी.ई.सी. ने कहा कि कोविड की स्थिति को देखते हुये, 15 जनवरी तक इन राज्यों में किसी प्रकार का कोई रोड-शो, पद-यात्रा, साईकिल/बाइक रैली तथ जुलूस आदि आयोजित नहीं हो सकेंगे। इसके बाद स्थिति की समीक्षा होगी तथा नये निर्देश उसके बाद जारी किये जायेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मॉडल कोड ऑफ कनडक्ट (एम.सी.सी.) चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही लागू हो गया है।

सी.ई.सी. ने कहा कि राजनैतिक दलों के लिये यह अनिवार्य है कि वे अपने वैबसाइट्स पर उन लोगों से संबंधित विचाराधीन क्रिमिनल केसों की विस्तृत जानकारी अपलोड करेंगे, जो चुनावों में उम्मीदवार बनने के लिये चयनित किये गये हैं।

राजनैतिक दलों को यह भी बताना होगा कि उन्हें उसी उम्मीदवार विशेष का चयन क्यों किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने आगे कहा, ''हमारा लक्ष्य पाँचों राज्यों में कोविड की दृष्टि से सुरक्षित चुनाव कराना है, जिनमें अधिकतम मतदाताओं की भागीदारी हो तथा चुनावों की व्यापक तैयारियाँ की जायें। सभी मतदान केन्द्रों पर सैनिटाइजर एवं मास्क सहित सभी कोविड-न्यूनीकरण सुविधाएँ एवं व्यवस्थाएँ होंगी। इस बार मतदान केन्द्रों की संख्या भी बढ़ा दी गई है।

कोविड-19 केसों का हवाला देते हुये, कांग्रेस ने घोषणा कर दी है कि वह उत्तर प्रदेश में कोई जनसभा आयोजित नहीं करेगी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी अनुरोध किया है कि वे भी राज्य में विशाल सार्वजनिक सभाएं करने से बचें।

इस बीच, गोवा में सभी सार्वजनिक सभाएं एवं जन एकत्रीकरण भवनों के अन्दर 50 प्रतिशत क्षमता तथा खुले स्थानों पर 100 की संख्या तक सीमित रहेंगे।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने यह घोषणा शुक्रवार को ही कर दी थी क्योंकि इस समुद्रतटीय राज्य, जहाँ शीघ्र ही चुनाव होने थे, में कोविड-19 केसों में जबरदस्त वृद्धि दर्ज हो चुकी थी।

## राजनीतिक ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

जरिये, पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार पर निशाना साध रहा है। यादव ने कहा, ''ऐसा पहली बार हो रहा है कि यह सरकारी विभाग राजनैतिक विज्ञापन जारी कर रहा है। भाजपा सरकार के वल प्रचार/दुष्प्रचार तथा झूठे विज्ञापनों के आधार पर चल रही है।''

# मिशनरीज़ ऑफ चैरिटी संस्था के लिए विदेशी फंडिंग बहाल की केन्द्र सरकार ने

## अभी दो हफ्ते पहले ही इस संस्था को विदेशों से मिल रहे फंड को गड़बड़ी की आशंका के चलते रोक दिया गया था

नई दिल्ली 8 जनवरी (वार्ता)। मिशनरीज ऑफ चैरिटी का विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम (एफ.सी.आर.ए.) पंजीकरण शनिवार को बहाल कर दिया गया। विदेशी फंडिंग प्राप्त करने के लिए वैध प्रमाणीकरण वाले संगठनों की सूची में इसका नाम फिर से जुड़ गया है।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा था कि मिशनरीज ऑफ चैरिटी के लिए एफ.सी.आर.ए. के तहत नवीनीकरण के आवेदन को प्रतिकूल इनपुट के कारण अस्वीकार कर दिया गया था। गौरतलब है कि मिशनरीज ऑफ चैरिटी एफ.सी.आर.ए. के तहत पंजीकृत है। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट किया, प्यार की शक्ति।संत मदर टेरेसा के मिशनरीज ऑफ चैरिटी का एफ.सी.आर.ए. पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिए गए थे। पंजीकरण पुनः बहाल हो गया है। 'प्रतिकूल इनपुट' ने बहुतों को परेशान किया, जो दो सप्ताह बाद समाप्त हो गया। प्यार की शक्ति 56 इंच की ताकत से अधिक मजबूत है। मिशनरीज ऑफ चैरिटी कोलकाता और उसके आसपास के विभिन्न घरों में बड़ी संख्या में बेघर, अनाथ और कुष्ठ रोगियों को मुफ्त भोजन, आश्रय और चिकित्सा उपचार प्रदान करता है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक जनवरी को 5,900 से अधिक संगठनों को एफ.सी.आर.ए. सूची से हटा दिया था। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने फरवरी 2021 में राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि 2016 से 2020 के बीच 6600 से अधिक गैर सरकारी संगठनों और संघों के एफ.सी.आर.ए. पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिए गए थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908